शब्दार्थ : उम्र = आयु (age)। **सयाना** = समझदार (wise)। **शताब्दी** = सदी (century)। **बदलाव** = परिवर्तन (change)। **दशक** = दस साल (decade)। **फ्रिल** = झालर (frill)। **लैमन कलर** = हल्का पीला (lemon colour, light yellow)। **शनीचर** = शनिवार (saturday)। **ऑलिव ऑयल** = जैतून का तेल (olive oil)। **कैस्टर ऑयल** = अरंडी का तेल (castor oil)। **फ़र्क** = अंतर (difference)। **खुराक** = निश्चित मात्रा (dose)। **स्टॉक** = संग्रह, भंडार (stock)। **बुरकना** = चूर्ण जैसी वस्तु का छिड़कना (sprinkle)। **दिलचस्पियाँ** = रुचियाँ

Scanned with CamScanner

(hobby, liking) । **मनभावनी** = मन को भाने वाली (liking of choice) । **खुशबू** = सुगंध (smell) । **छुटपन** = बचपन (childhood) । **कमतर** = ज्यादा छोटा, लघुतर (smaller) । **हृष्ट-पुष्ट** = तगड़ा, हट्टा-कट्टा (healthy) । **कोलाहल** = शोर, हंगामा, हल्ला (commotion) । **अटपटा** = टेढ़ा, कठिन, ऊट-पटांग (absurd) । **आश्वासन** = भरोसा (assurance) । **खीजना** = झुंझलाना (get angry) । **सहल** = आसान (simple) । **मजेदार** = रोचक (tasty, of liking) । **खास** = विशेष (special) । **लय** = सुर (tune) । **स्पीड** = गति (speed) ।

Scanned with CamScanner

प्रश्न -अभ्यास

संस्मरण से—

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं ?

उत्तर— लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोज़े धोती थी। अपने जूते पॉलिश करके चमकाती थी।

प्रश्न 2. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।'— इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं ?

उत्तर— लेखिका बताती हैं कि उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन थे, रेडियो और टेलीविज़न नहीं थे। उस समय कुलफी होती थी, आज आइसक्रीम हो गई है। कचौरी-समोसा पैटीज़ में बदल गया है। शहतूत, फ़ाल्से और खसखस के शरबत कोक-पेप्सी में बदल गए हैं। उन दिनों कोक के स्थान पर लैम्नेड, विमटो होते थे।

प्रश्न 3. पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा ? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे ?

उत्तर— लेखिका को चश्मा इसलिए लगाना पड़ा क्योंकि वह दिन की रोशनी को छोड़कर रात को टेबल लैंप में काम करती थी, इससे उसकी नजर कमजोर हो गयी थी। चश्मा लगाने पर उसके चचेरे भाई उसे यह कहकर चिढ़ाते थे।

आँख पर चश्मा लगाया
ताकि सूझे दूर की
यह नहीं लड़की को मालूम
सूरत बनी लंगूर की!

प्रश्न 4. लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन सी चीज़ें मज़ा ले-लेकर खाती थीं ? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उत्तर— लेखिका बचपन में वैंगर्स और डेविको रेस्तराँ की चॉकलेट और पेस्ट्री के साथ ब्राउन ब्रैड मज़े ले-लेकर खाती थीं। वह चॉकलेट-टॉफ़ी का स्टॉक रखती थी। इन्हें रात के खाने के बाद बिस्तर में लेटकर मज़े ले-ले कर खाती थी। शिमला के खट्टे-मीठे काफ़ल लाल, कुछ गुलाबी रसभरी, चैस्टनट आदि उन्हें पसंद थे।

संस्मरण से आगे—

प्रश्न 1. लेखिका के बचपन में हवाई जहाज की आवाज़े, ग्रामोफ़ोन, घुड़सवारी, शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल और आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें थीं। आज कौन-कौन सी आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़े तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।

Scanned with CamScanner

उत्तर— आधुनिक युग लेखिका के युग से अलग है। लेखिका के बचपन में ग्रामोफ़ोन, घुड़सवारी, शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल और हवाई जहाज़ की आवाज़ें ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें थीं, जो कि आज अति साधारण-सी लगती हैं। आज हमारा युग है कंप्यूटर का। आधुनिक चीज़ें जो हमें सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं वे हैं—कंप्यूटर, मोबाइल, FM रेडियो, नई-नई कार, मोटर साइकिल आदि।

प्रश्न 2. अपने बचपन की कोई मनमोहक घटना को याद करके विस्तार से लिखो।

उत्तर— मुझे अपने पिता जी के साथ हवाई जहाज़ में बैठने का अवसर मिला। उस समय मैं केवल आठ साल की थी। जब मुझे पता चला कि हम दिल्ली से श्रीनगर हवाई जहाज़ में जा रहे हैं, मेरी खुशी की सीमा नहीं थी। निश्चित दिन हम एयरपोर्ट पर पहुँचकर जहाज़ पर सवार हुए। खिड़की से नीचे की ओर देखने पर हर चीज़ छोटी-सी दिखाई पड़ रही थी। जब एयर होस्टस टॉफियाँ लाई तो मैंने अपनी जेब में भर ली। मेरा मन कर रहा था कि इधर से उधर घूमती रहूँ, पर डर लग रहा था। जब जहाज़ नीचे उतरने लगा तो मैंने बैल्ट बाँध ली, पर फिर भी डर लग रहा था। हवाई जहाज़ की पहली यात्रा ही मेरे बचपन की मनमोहक घटना थी।

अनुमान और कल्पना—

प्रश्न 1. सन् 1935-40 के लगभग लेखिका का बचपन शिमला में अधिक दिन गुजरा। उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।

उत्तर— उन दिनों शिमला इतना अधिक विकसित नहीं था, जितना कि आज है। सड़कों पर पर्यटकों की संख्या भी कम हुआ करती थी। अधिक भीड़-भाड़ दिखाई नहीं देती थी। वैसे यह एक प्रसिद्ध पहाड़ी स्थल माना जाता था। आने-जाने के साधन भी बहुत अधिक नहीं थे। वहाँ पर इतने अधिक होटल इत्यादि भी नहीं थे, जितने कि आज हो गए हैं।

प्रश्न 2. लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया गया है। अनुमान करके बताओ कि सरवर कौन हो सकता है?

उत्तर— लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया गया है। हमारे अनुमान से सरवर पोता हो सकता है क्योंकि लेखिका ने पाठ में एक स्थान पर कहा है कि मैं तुम्हारी दादी या नानी भी हो सकती हूँ। हमारे समय और तुम्हारे समय में कितना अंतर आ चुका है।

भाषा की बात—

प्रश्न 1. क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से *मार*, काटना से *काट*, हारना से *हार*, सीखना से *सीख*, पलटना से *पलट* और हड़पना से *हड़प* आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी हैं। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनसे भाववाचक संज्ञा बनाओ।

उत्तर—

क्रिया शब्द	भाववाचक संज्ञा	क्रिया शब्द	भाववाचक संज्ञा	क्रिया शब्द	भाववाचक संज्ञा
खेलना	खेल	चढ़ना	चढ़ाई	लगना	लगाव
चलना	चाल	उतरना	उतार	खरीदना	खरीद

प्रश्न 2. *चार दिन*, *कुछ व्यक्ति*, *एक लीटर दूध* आदि शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दो तो पता चलेगा कि इसमें *चार*, *कुछ* और *एक लीटर* शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है, क्योंकि ये संख्यावाचक विशेषण हैं। इसमें भी *चार दिन* से निश्चित संख्या का बोध होता है, इसलिए इसको निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं और *कुछ व्यक्ति* से अनिश्चित संख्या का बोध होने से इसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसी प्रकार *एक लीटर* दूध से परिमाण का बोध होता है इसलिए इसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

• अब तुम नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो—

उत्तर— (क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए। (निश्चित संख्यावाचक)

(ख) दो किलो अनाज दे दो। (निश्चित परिमाणवाचक)

(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं। (अनिश्चित संख्यावाचक)

Scanned with CamScanner

(घ) सभी लोग हँस रहे थे। (अनिश्चित संख्यावाचक)

(ङ) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है। (अनिश्चित संख्यावाचक)

प्रश्न 3. कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं।

इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'दिलचस्पियाँ' और 'मौसी' संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं। संज्ञा शब्द से पहले अगर सर्वनाम आता है तो वह सार्वनामिक विशेषण कहलाता है। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

उत्तर— (क) हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते।

(ख) हमारा घर माल से ज्यादा दूर नहीं था।

(ग) वह दुकान थी जहाँ मेरा पहला चश्मा बना था।

(घ) कुछ बच्चे पुड़िया पर तेज़ मसाला बुरकवाते।

(ङ) मैं डॉक्टर साहिब का कहा दोहरा देती।

Scanned with CamScanner